दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
फैक्स नं0 : 0551-2334549
: 9792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक 21.08.2020

प्रकाशनार्थ

दिनांक 21 अगस्त 2020 गोरखपुर। ''जब हम आत्मनिर्भर भारत एवं सशक्त भारत की बात करतें हैं तो हमारे चर्चा का विषय सिर्फ माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की 12 मई, 2020 की उस घोषणा से सम्बन्धित नही है जिसमें उन्होंने 20 लाख करोड़ की एक योजना प्रस्तुत की थी जिसमें उन्होनें कोरोना से निपटने के लिए तथा लघु एवं मध्यम वर्ग के उद्यमियों को राहत पहुचानें के लिए एक बड़ी योजना की थी। आज का विषय मात्र वहीं तक सीमित नहीं हैं बल्कि हम उस व्यापक अर्थ में बात कर रहें है जिसमें जहॉ पर हम अपने मातृभूमि को एक सशक्त भारत के रूप में देखना चाहते है। इसके लिए यह जरूरी है कि हम एक आत्मनिर्भर भारत के रूप में स्वंय को प्रतिष्ठित कर सके। दुनिया के इतिहास में ऐसा पहले केवल विश्व युद्ध के काल में हुआ था, जबकि मानवता का एक बड़ा हिस्सा कराह रहा था वैसे ही कोविड–19 से पूरी दुनिया प्रभावित है जो वैश्विक सम्बन्धों को प्रभावित कर रहा है। इसने केवल विश्व राजनीति को ही प्रभावित नहीं किया है बल्कि इतना कुछ बदल चुका हैं यह समझना कठिन है कि हमारी यात्रा कहॉ तक की होगी। इतना अवश्य हैं कि यह स्थिति कम से कम 6 महीने तक बनी रहेगी।

उक्त बातें युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महराज की 125वीं जंयती वर्ष एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन अवेद्यनाथ जी महराज के जन्म शताब्दी वर्ष की पावन स्मृति पर दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय द्वारा आयोजित सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के द्वितीय दिन **'आत्मनिर्भर भारत सशक्त भारत'** विषय पर मुख्य वक्ता प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा विभागाध्यक्ष रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन, दी.द.गोरखपुर विश्वविद्यालय ने व्यक्त किया।

उन्होने आगे कहा कि पूरी दुनिया में लड़ाई अर्थ व्यवस्था पर काबू पाना है। उसी का एक हिस्सा कोविद–19 है जिसको चीन ने बड़े ही सुनियोजित ढंग से फैलाया जिसका उद्देश्य पूरी दुनिया की अर्थ व्यवस्था छिन्न–भिन्न कर देना था, जो एक माइण्ड गेम है। इसके साथ ही उसने यह भी प्रचारित किया कि इससे निपटने का तरीका हैं लाकडाउन ही है और जैसे ही हम लाकडाउन के स्थिति में आए पूरी दुनिया की अर्थ व्यवस्था चरमराने लगी। दर असल यह लाकडाउन एक धोखा है। जो हमारे अर्थ व्यवस्था को कमजोर कर देगा। आने वाले समय में हम उन्हीं देशों को मजबुती के साथ खड़ा देख पायेंगे जिसने कोविद–19 के समय में अपनी अर्थ व्यवस्था को बचा लिया। हम भी उन देशो में शामिल होगे ऐसा आशा है। किसी भी देश की शक्ति वहॉ की अर्थ व्यवस्था पर ही टिकी होती है। दुनिया में शक्ति का समीकरण हमेशा बदलता रहता है। वह सैनिक टेक्नालोजी एवं वैचारिकी का समग्र रूप भी हो सकता है और अन्ततः यह स्पष्ट होने लगा कि किसी भी देश को प्रभावित करना है तो अपनी अर्थ व्यवस्था को मजबुत रखना होगा। आज आवश्यकता है एक सशक्त और आत्मनिर्भर भारत बनाने की जिसकी शुरूआत हमारे युग द्रष्टा माननीय प्रधानमन्त्री ने **स्वच्छता अभियान** की रूप में की, तो उत्तर प्रदेश में माननीय मुख्य **मन्त्री योगी आदित्यनाथ जी एक जिला एक उत्पाद योजना** की शुरूवात की जो आत्मनिर्भरता का ही एक कड़ी है। आत्मनिर्भरता की संकल्पना को रक्षा के क्षेत्र में भी समझा जा सकता है। जब रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता नहीं थी तो हमे तमाम समस्याओं का सामना करना पड़ा आज राफेल के उपलब्धता के साथ देश रक्षा के क्षेत्र में भी आत्मनिर्भर होने की दिशा में अग्रसर है। अब नया भारत यह बता रहा है कि हम शक्तिशाली हैं और पूरी दुनिया इसे गौर के साथ देख भी रही है। प्रथम विश्व युद्ध के बाद हमने यह महसूस किया कि केवल एक विशाल सेना ही सब कुछ नहीं होती बल्कि विज्ञान एवं तकनिकी के क्षेत्र में भी सशक्त होना चाहिए तथा द्वितीय विश्व युद्ध में हमने वार–टेक्नोलाजी एवं नए हथियार कितने असरकारक सिद्ध होगे इस बात को जाना। अततः 20वी शताब्दी में यह सष्ट हो गया कि दुनिया में जो काम हथियार नहीं कर सकते वह सशक्त अर्थव्यवस्था द्वारा किया जा सकता है। इन सारी बातों का मूल यह है कि हमें अपनी अर्थव्यवस्था को बचाकर और बड़ी मजबूती से बनाये रखना है अतः हमें आर्थिक समबंधो को मजबूत करते हुए दुनिया भर में ऐसे आत्मनिर्भर भारत के रूप में स्थापित करना होगा जिससे दूसरो से हमारी निर्भरता क्रमशः समाप्त हो जाये। इसके लिए हमें भारत को मैन्यूफैक्चरिंग हब बनाने की आवश्यकता हैं जिसमें हमें तीनों संरचानओं–डिफेंस टेक्नोलॉजी एवं हेल्थ के क्षेत्र में स्वयं को खड़ा करना होगा तब हम एक आत्मनिर्भर एवं सशक्त भारत की संकल्पना को साकार रूप दे पायेगे।

कार्यक्रम का संचालन एवं आभार ज्ञापन श्री सुभाष चन्द्रा असिस्टेंट प्रो. बीएड विभाग तथा स्वागत भाषण रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के अध्यक्ष डॉ. आर. पी. यादव द्वारा किया गया एवं तकनीकि सहयोग व्याख्यानमाला के सह–संयोजक डॉ. अमरनाथ तिवारी द्वारा किया गया।

उक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने सहभाग किया।

डॉ.(शैलेश कुमार सिंह)
प्रभारी, सूचना एवं जनसम्पर्क